Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 29 ◻ अंक- 118 ◻ रायपुर, शुक्रवार 22 मई 2026 ◻ पृष्ठ-8 ◻ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

ब्रेकिंग न्यूज

राज्यसभा की 24 सीटों पर चुनाव की तारीखों का एलान 18 जून को होगा चुनाव

नई दिल्ली, 22 मई (न्यूज चैनल)। 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों को लेकर चुनाव होना है। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया है। चुनाव आयोग की ओर से जानकारी दी गई है कि 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों पर 18 जून 2026 को चुनाव कराया जाएगा. चुनाव आयोग की घोषणा के बाद संबंधित राज्यों में सियासी गतिविधियां तेज हो गई हैं। जिन राज्यों में चुनाव होने हैं उनमें आंध्र प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, झारखंड, राजस्थान, कर्नाटक, मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम शामिल हैं। आंध्र प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक में सबसे अधिक चार-चार सीटों पर मतदान कराया जाएगा। चुनाव आयोग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि राज्यसभा से 21 जून से 19 जुलाई तक अलग-अलग तारीखों पर 10 राज्यों के वर्तमान सांसद सेवानिवृत्त हो रहे हैं। राज्यसभा चुनाव आंध्र प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक में चार-चार सीटों, मध्य प्रदेश और राजस्थान में तीन-तीन सीटों, झारखंड में दो सीटों और मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में एक-एक सीट पर होंगे। राज्यसभा से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, दिग्विजय सिंह और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा जैसे प्रमुख नेता सेवानिवृत्त होंगे।

धार भोजशाला: मंदिर या मस्जिद? अब सुप्रीम कोर्ट करेगा फैसला हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती

नई दिल्ली, 22 मई (न्यूज चैनल)। मुस्लिम पक्ष ने गुरुवार को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की, जिसमें कहा गया था कि राज्य के धार जिले में स्थित विवादित भोजशाला परिसर देवी सरस्वती को समर्पित मंदिर है। हिंदू समुदाय भोजशाला को देवी सरस्वती का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम समुदाय इस 11वीं शताब्दी के स्मारक को कमल मौला मस्जिद कहता है। धार जिले में स्थित यह विवादित परिसर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित है। मस्जिद के कार्यवाहक काज़ी मोइनुद्दीन द्वारा दायर अपील में उच्च न्यायालय के 15 मई के आदेश को चुनौती दी गई है। हिंदू पक्ष के लिए एक बड़ी जीत में, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने घोषणा की कि विवादित भोजशाला परिसर देवी सरस्वती को समर्पित मंदिर है, और केंद्र और एएसआई इसके प्रशासन और प्रबंधन पर निर्णय ले सकते हैं। उच्च न्यायालय ने एएसआई के 7 अप्रैल, 2003 के उस आदेश को भी रद्द कर दिया।

पारिवारिक विवाद बना मौत की वजह

दुर्ग में सामूहिक आत्महत्या, पति-पत्नी फांसी पर झूले, दो बच्चों के शव मिले

दुर्ग, 22 मई (हाईवे चैनल)। थाना मोहन नगर क्षेत्र के आर्य नगर में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई।

मौके पर पति-पत्नी गोविंद साहू (45 वर्ष) और चंचल साहू (40 वर्ष) फांसी पर लटके हुए मिले। वहीं उनके दो बच्चे, पुत्री दृष्णा साहू (13 वर्ष) और पुत्र यशांत साहू (11 वर्ष) मृत अवस्था में घर के भीतर पड़े मिले। घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। एफएसएल टीम भी जांच के लिए मौके पर पहुंची है। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें पारिवारिक विवाद का उल्लेख किया गया है। फिलहाल पुलिस सुसाइड नोट और अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। थाना मोहन नगर में मर्ग कायम कर मामले की जांच में लिया गया है।

सीजी हाईकोर्ट का बड़ा फैसला: रेप पीड़िता को गर्भपात की दी अनुमति

भ्रूण का डीएनए सैंपल भी सुरक्षित रखने के निर्देश

बिलासपुर, 22 मई (हाईवे चैनल)। हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के कारण प्रेग्नेंट हुई युवती की याचिका को मंजूर करते हुए उसे गर्भपात कराने की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने उसे सिम्स या जिला अस्पताल बिलासपुर में सुविधाओं के साथ भर्ती कराने का निर्देश दिया है, साथ ही भ्रूण का डीएनए सैंपल भी रेफरेंस के लिए सुरक्षित रखने को कहा है।

दरअसल, पीड़िता ने अपनी याचिका में कहा कि, वह जबरदस्ती सेक्सुअल इंटरकोर्स के कारण, प्रेग्नेंट है, जिसे वह अबॉर्ट करना चाहती है, प्रेग्नेंसी उसे बहुत तकलीफ दे रही है और वह ऐसे व्यक्ति से बच्चा पैदा नहीं करना चाहती जिसने उसकी सहमति के बिना उसके साथ रेप किया हो और उसे समाज के सामने बेइज्जत और शर्मिंदा किया हो. इस याचिका में एक्सपर्ट मेडिकल प्रैक्टिशनर्स का एक पैनल बनाने का निर्देश देने की मांग की गई। पिटीशनर ने रेस्पोंडेंट्स से यह भी निर्देश देने की मांग की, कि प्रेग्नेंसी खत्म करने के लिए एक्सपर्ट रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर्स को भेजने के लिए उसे जल्द से जल्द छत्तीसगढ़ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस बिलासपुर में एडमिट किया जाए. कोर्ट ने चीफ मेडिकल एंड हेल्थ ऑफिसर, बिलासपुर को एक्सपर्ट्स की टीम से पिटीशनर की जांच करने का निर्देश देकर मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट, 1971 (शॉर्ट में एक्ट, 1971) के सेक्शन 3(2) और 1971 के एक्ट के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया था।

रेप विक्टिम की तय करने की आजादी आज हुई सुनवाई के बाद जस्टिस एन के व्यास की वेकेशन बेंच ने कहा कि, रेप विक्टिम को यह तय करने की आजादी और अधिकार मिलना चाहिए कि, उसे प्रेग्नेंसी जारी रखनी चाहिए या उसे प्रेग्नेंसी खत्म करने की इजाज़त दी जानी चाहिए. इस मामले में, यह बिल्कुल साफ है कि, पिटीशनर 14-16 हफ़्ते की प्रेग्नेंसी में है और जब तक टर्मिनेशन का निर्देश देने वाला ज्यूडिशियल ऑर्डर नहीं मिल जाता, तब तक डॉक्टरों के लिए प्रेग्नेंसी खत्म करना भी मुमकिन नहीं होगा. मामले के फैक्ट्स और हालात, जेस्टेशनल उम्र और ज्यूडिशियल उदाहरणों को देखते हुए, रिट पिटीशन मंजूर की जाती है।

बैंक खाते पर अटैचमेंट के लिए मजिस्ट्रेट का आदेश जरूरी

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान बड़ा फैसला सुनाया है. कोर्ट ने कहा कि बैंक खाते पर अटैचमेंट के लिए मजिस्ट्रेट का आदेश जरूरी होगा. ओक्सीजो फाइनेंशियल सर्विसेज की याचिका मंजूर करते हुए हाईकोर्ट ने पुलिस द्वारा 43.38 लाख रुपए होल्ड करने के आदेश को निरस्त कर दिया. मामला टीएमटी सरिया सप्लाई से जुड़े अपराध से संबंधित था. चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच ने बीएनएसएस की धारा 106 और 107 की व्याख्या करते हुए फैसला सुनाया।

राजधानी में सराफा कारोबारी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बेटे की मौत के सदमे में एक साल पहले पत्नी ने भी दी थी जान

रायपुर, 22 मई (हाईवे चैनल)। राजधानी रायपुर के पुरानी बस्ती इलाके से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। सराफा कारोबारी प्रवाल सोनी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। प्रारंभिक जांच में पुलिस इस घटना को पारिवारिक सदमे और लंबे समय से चल रहे मानसिक तनाव से जोड़कर देख रही है। बताया जा रहा है कि पिछले साल उनकी पत्नी सोना सोनी ने भी आत्महत्या कर ली थी। इससे पहले उनके 12 वर्षीय बेटे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी, जिसके बाद पूरा परिवार गहरे सदमे में था। जानकारी के अनुसार, प्रवाल सोनी की पुरानी बस्ती क्षेत्र में ज्वेलरी शॉप है। करीब 18 साल पहले उनका विवाह तखतपुर निवासी सोना सोनी से हुआ था। दंपति के दो बेटे थे। पिछले साल छोटे बेटे की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई थी। उस समय शुरुआती तौर पर फूड पॉइजनिंग की आशंका जताई गई थी, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट को लेकर कई सवाल भी उठे थे।

बेटे की मौत के कुछ दिन बाद ही पत्नी सोना सोनी का शव घर के ऊपरी हिस्से में बने स्टोर रूम में फंदे से लटका मिला था। उस दौरान मृतका के मायके पक्ष ने पति पर शराब पीकर मारपीट करने और कुछ संदिग्ध लोगों के संपर्क में रहने के आरोप लगाए थे। यहां तक कि तंत्र-मंत्र से जुड़ी आशंकाएं भी जताई गई थीं। हालांकि पुलिस जांच आत्महत्या की दिशा में आगे बढ़ी थी।

मामले में पुलिस को एक पत्ते का सुसाइड नोट भी मिला था, जिसमें सोना सोनी ने लिखा था, मैं छोटू के पास जा रही हूं। साथ ही बड़े बेटे के लिए लिखा था कि वह अपने मामा के पास रहे। पुलिस ने उस समय सुसाइड नोट की हैंडराइटिंग जांच कराने की बात कही थी। घटना के एक साल बाद अब प्रवाल सोनी की आत्महत्या ने परिवार के पुराने जख्म फिर ताजा कर दिया है।

सुशासन तिहार: सीएम साय का बैक-टू-बैक एक्शन सहायक आयुक्त के बाद अब लेखापाल को किया सस्पेंड

कोरिया, 22 मई (हाईवे चैनल)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुरुवार को कोरिया जिले में आयोजित सुशासन तिहार के दौरान एक्शन मोड में नजर आए। सीएम ने सहकारी बैंक के लेखापाल को सस्पेंड करने के निर्देश दिए। कोरिया में सहकारी बैंक में पदस्थ लेखापाल कल्लू प्रसाद मिश्रा द्वारा खाद गबन प्रकरण में कार्रवाई करने में लापरवाही सामने आने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। सीएम साय के बैक-टू-बैक एक्शन से यह साफ नजर आ रहा है कि उनकी छवि भले ही सौम्य हो, लेकिन लापरवाही पर उनकी जीरो टॉलरेंस नीति है। इसके पहले सीएम ने आज कोरिया जिले में सुशासन तिहार के दौरान शिकायत मिलने पर सहायक आयुक्त सहकारी संस्थाएं को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड करने के निर्देश दिए थे। सहायक आयुक्त आयुष प्रताप सिंह के खिलाफ कार्य में लापरवाही से संबंधित कई शिकायतें प्राप्त हुई थी, जिस पर जीरो टॉलरेंस दिखाते हुए मुख्यमंत्री ने उक्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सुशासन तिहार के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों के आवास निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराए जाएं।

50 प्रशिक्षु आईएफएस में ट्रेनिंग विजिट पर: भाया धमतरी का वन पर्यावरणीय वातारण, प्रशिक्षण के लिए धमतरी को बताया मॉडल डिवीजन

हाईवे चैनल से प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारियों ने की चर्चा, धमतरी वन डिवीजन में ट्रेनिंग के अनुभव को किया साझा

आशीष जैन/दीपेश देवांगन

धमतरी, 22 मई (हाईवे चैनल)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी देहरादून से 2024 बैच के 50 प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारी वर्किंग प्लान एक्सरसाईज के तहत धमतरी वन डिवीजन में विजिट पर पहुंचे है। 12 मई को गंगरेल स्थित बरदिहा लेक व्यू रिसार्ट पहुंचे और 23 मई तक इनका प्रशिक्षण जारी रहेगा। आज हाईवे चैनल की टीम ने बरदिहा रिसार्ट पहुंचकर प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारियों से उनके प्रशिक्षण व अनुभव के संबंध में चर्चा की।

प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारियों ने बताया कि वर्किंग प्लान एक्सरसाईज के तहत धमतरी डिवीजन में विभिन्न वनीय व पर्यावरणी क्षेत्रो का अवलोकन किया जा रहा है। साथ ही लॉग टर्म 10 वर्षीय कार्ययोजना पर कार्य किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि धमतरी में प्रति दिन अलग-अलग वन्य क्षेत्रो में भ्रमण कर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। धमतरी में साल, सागौन, बांबू सहित मिश्रित वन्य क्षेत्र है। धमतरी में वनों की ग्रोथ व विकास बेहतर है। इसे और बेहतर करने के लिए क्या किया जा सकता है इस ओर भी जानकारी लेकर सुझाव भी दिये जा रहे है। धमतरी वन क्षेत्र के साथ ही प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारी दुगली वन प्रसंस्करण केन्द्र भी पहुंचे जहां वनोपज के कलेक्शन, प्रसंस्करण, पैकिंग, ब्राडिंग, सेलिंग की जानकारी ली। साथ ही इससे ग्रामीणों के आय व जीवन पर असर की भी जानकारी ली गई। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने सभी प्रकार के पेड़ो का मुआयना किया। मिट्टी की जांच कर सेम्पल लिये। ग्रामीणो से मुलाकात किया और यह जानने की कोशिश की कि वन्य क्षेत्र के ग्रामीण वनो पर कितना निर्भर है। और वन विभाग उनके लिए और क्या बेहतर कर सकते है। विजिट के दौरान प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारी पम्मार नाला गये बने चेकडेम का जायजा लिया,मिट्टी, नमी की जानकारी जानकारी ली। एवं उक्त नाले से आसपास के लोगों को किस प्रकार लाभ हो रहा यह समझा।

गंगरेल स्थित बरदिहा लेक व्यू रिसार्ट में 23 मई तक जारी है प्रशिक्षण

इको टूरिज्म से ग्रामीणों को फायदे व बेहतरी पर किया अध्ययन: प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारियों ने इको टूरिज्म से ग्रामीणों को फायदे व बेहतरी पर अध्ययन किया है। धमतरी में इको टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके संचालन की जिम्मेदारी समिति बनाकर सौंपी गई है। जिससे स्थानीय ग्रामीणों को लाभ हो रहा है। इको टूरिज्म को किस प्रकार

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी देहरादून से धमतरी पहुंचे है 2024 बैच के प्रशिक्षु आईएफएस, वर्किंग प्लान एक्सरसाईज के तहत लॉग टर्म 10 वर्षीय कार्ययोजना पर है फोकस

जिले में और बेहतर किया जा सकता है इस ओर अधिकारियों ने अध्ययन किया और सुझाव दिए।

हाथी कॉरिडोर को सेफ जोन बनाने का प्रयास: प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारियों ने चर्चा के दौरान बताया कि धमतरी में अब तक कई लोगो के हाथी हमले में मौत की जानकारी मिली है। बताया कि हाथी एक विशेष कॉरिडोर पर विचरण करते है। वन्य जीव है, कभी भी हमलावर हो सकते है इसलिए ईसानों को उनसे दूरी बननी चाहिए। साथ ही विभागीय स्तर पर कॉरिडोर रूट पर 360 डिग्री कैमरे लगाए जाए। हाथी मित्र बनाए जाए। विचरण टाईमिंग शाम से लेकर अलसुबह तक हाथी कॉरिडोर से आवागमन न करें व अन्य जागरुकता कार्यक्रमो के माध्यम हाथी मानव भिंडत को काफी कम किया जा सकता है।

लगभग 100 वर्ष पुराना है धमतरी मॉडल वन डिवीजन: प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारियों ने बताया कि धमतरी वन डिवीजन प्रशिक्षण हेतु मॉडल वन डिवीजन है। यहां सभी प्रकार की वनों की उपलब्धता है। साल, सागौन, बांबू, मिक्स खड़े, टिक वन मौजूद है। वन्य प्राणियों की उपलब्धता है ब्रिटिश काल से धमतरी डिवीजन का अस्तित्व है। जो कि लगभग 100 वर्ष पुराना है वनोपज है, नदी-नाले है।

ट्रेनिंग 50 प्रशिक्षु आईएफएस में है 6 छत्तीसगढ़ कैडर के अधिकारी: धमतरी पहुंचने वाले 50 प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारियों में छत्तीसगढ़ कैडर के अक्षय जैन, कुणाल मिश्रा, मृगजा यादव, पारख शारदा, प्रीति यादव, यशस्वी मौर्य, मध्य प्रदेश कैडर के हरिश वर्मा, हेमंत प्रताप सिंग, जिज्ञाशु अग्रवाल, महर्षि कुमार, पंकज चौधरी, प्राजंल चौरसिया, रामानंद किशन राव खंडारे, शंशाक भारद्वाज, शशि कुमार, सौम्या, स्वास्तिक यदुवंशी, झारखंड कैडर के पोरिका लावाकुमार, राहुल कुमार, राजेश कुमार, रितविका पाण्डेय, अनुभव जैन, एजीएमयूटी कैडर के अनुशा कोली, असीम, अतुल तिवारी, चन्द्रभूषण, चेतक सावंत, हाओबो देवर्षी देवी, केयूर भोज, नागभूषण, नवदीप सिंग, सना फैयाज, शुभम कनौजिया, श्रीशन, उड़ीसा कैडर से अर्नब, गोविंथरम, लोक्षी जैन, मेधा सिन्हा, पीआर सबरजीत, पूजा मीना, तेलंगाना कैडर से भार्गव कुमार, निशा, प्रथमेश केशव, यश चन्द्रप्रकाश, आंध्रप्रदेश कैडर से चिधानंदा, एचवी, सिंगुरु कृष्णा, बिहार कैडर से प्रिंस कुमार, रविन्द वर्मा, योगेश बोरकर शामिल है।

धमतरी के लोग, वन व पर्यावरण बेहतर: प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारी सतारा महाराष्ट्र निवासी मृगजा यादव, झांसी यूपी निवासी कुणाल मिश्रा व ग्वालियर एमपी निवासी हेमंत प्रताप ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान वे जिले के विभिन्न वनो व ग्रामीण क्षेत्रो में पहुंचे जहां लोगो में वनो के प्रति जागरुकता भी नजर आई लोग वनो को बचाने के पक्ष में दिखे। यहां का वन व पर्यावरण बेहतर है, लोगो का सहयोग भी मिला है। धमतरी का वन व पर्यावरणीय क्षेत्र प्रशिक्षण के लिए बेहतर है। कार्ययोजना के तहत विभिन्न स्टडी हम सभी ने किया। धमतरी के लगभग सभी रेंज में पहुंचे यहां बहुत कुछ सीखने को मिला है। सभी अधिकारियों ने विकास व बायोडायवरसिटी के बीच संतुलन पर जोर दिया।

ट्रैफिक जाम से लोगों को मिलेगी राहत आज खुलेगा कचना ओवरब्रिज

सीएम साय करेंगे लोकार्पण, 5 से 8 बजे तक रूट में बदलाव

रायपुर, 22 मई (हाईवे चैनल)। राजधानी रायपुर में आम जनता को ट्रैफिक जाम से बड़ी राहत मिलने वाली है. कचना ओवरब्रिज पर शुक्रवार से लोगों की आवाजाही शुरू हो जाएगी. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शाम को इस ओवरब्रिज का लोकार्पण करेंगे. इस मौके पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव भी मौजूद रहेंगे. पीडब्ल्यूडी अधिकारियों का कहना है कि करीब 49 करोड़ रुपए की लागत से कचना ओवरब्रिज का निर्माण किया गया है. इस ओवरब्रिज के शुरू हो जाने से इस रूट का यातायात व्यवस्थित और तेज होगा।

शासन द्वारा मार्च 2022 को 48.78 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई थी. वहीं, कार्यादेश सितंबर 2023 को दिया गया. अनुबंध के अनुसार ओवरब्रिज का निर्माण कार्य 18 महीने की समयावधि में पूरा किया जाना था. रेलवे पटरी के ऊपर स्टील गर्डर लगाने और इसकी ड्राईंग-डिजाइन को रेलवे से समय पर मंजूरी नहीं मिली, जिसके कारण निर्माण कार्य में विलंब हो गया. विभाग द्वारा लंबे इंतजार के बाद अब ओवरब्रिज का निर्माण कार्य पूरा हुआ है। दिनभर शंकरनगर-खम्हारडीह मार्ग पर बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है. वहीं रायपुर-वाल्टेयर रेललाइन पर बड़ी संख्या में ट्रेनों का आना-जाना लगा रहता है. कई बार कचना रेलवे फाटक को बंद करना पड़ जाता है. ओवरब्रिज पर आवाजाही शुरू होने से आम राहगीरों को ट्रैफिक जाम की समस्या से राहत मिलेगी। लोकार्पण समारोह की वजह से शाम 5 बजे से रात 8 बजे के बीच खम्हारडीह से कचना और कचना से खम्हारडीह के बीच मुख्य सड़क पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी. इस दौरान बदले हुए रूट से आवाजाही होती रहेगी.

यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए रायपुर ट्रैफिक पुलिस ने एक विशेष रूट डायवर्जन प्लान जारी किया है. इसके मुताबिक अनुपम नगर से खम्हारडीह-कचना जाने वाले वाहन अनुपम नगर से श्रीराम नगर ओवरब्रिज, अशोक रतन और बीएसएनएल कार्यालय होते हुए कचना रेलवे फाटक के पास से बाएं मुड़कर कचना की ओर जा सकेंगे. इसी तरह कचना से खम्हारडीह जाने वाले वाहन कचना रेलवे फाटक से पहले दाहिने मुड़कर बीएसएनएल कार्यालय, अशोका रतन, श्रीराम नगर ओवरब्रिज और अनुपम नगर चौक होते हुए आवागमन कर सकेंगे।